



UNIVERSITEIT VAN PRETORIA  
UNIVERSITY OF PRETORIA  
YUNIBESITHI YA PRETORIA

**’N LITERÊR-  
HISTORIESE  
ONDERSOEK  
NA  
JOSUA 3 EN 4**

deur Johannes Michael Wildenboer

voorgelê ter vervulling van die vereistes vir die graad

**PHILOSOPHIAE DOCTOR**

in die vak

**OU TESTAMENT**

aan die

**UNIVERSITEIT VAN PRETORIA**

PROMOTOR: PROF D.J. HUMAN

MEDE-PROMOTOR: DR A. GROENEWALD

## INHOUDSOPGAWE

|                 |     |
|-----------------|-----|
| AFKORTINGS..... | vii |
| BEDANKINGS..... | X   |

### HOOFSTUK 1: INLEIDING

|         |   |    |
|---------|---|----|
| 1.1     | <b>Aktualiteit.....</b>   | 1  |
| 1.2     | <b>Probleemstelling.....</b>                                    | 4  |
| 1.3     | <b>Doelwitte.....</b>   | 6  |
| 1.4     | <b>Metodologie.....</b>   | 8  |
| 1.5     | <b>Hipotese.....</b>  | 13 |
| 1.6     | <b>Resente Josua-studies.....</b>                               | 14 |
| 1.6.1   | Tekskritiese studies .....                                      | 14 |
| 1.6.2   | Literêre studies.....   | 15 |
| 1.6.3   | Kommentare en monografieë.....                                  | 16 |
| 1.7     | <b>Hoofstukindeling, ortografie en begripsverheldering.....</b> | 19 |
| 1.7.1   | Hoofstukindeling.....   | 19 |
| 1.7.2   | Ortografie.....   | 20 |
| 1.7.2.1 | Keuse van `n teks.....  | 20 |
| 1.7.2.2 | Ander ortografiese riglyne.....                                 | 21 |
| 1.7.3   | <b>Begripsverheldering.....</b>                                 | 21 |

### HOOFSTUK 2: LITERATUUROORSIG

|         |  |    |
|---------|--|----|
| 2.1     | <b>Literêre benadering.....</b>                                  | 23 |
| 2.1.1   | <b>Josua as deel van die Heksateug.....</b>                      | 23 |
| 2.1.1.1 | Nuwe bronnehypotese (Erich Zenger; Peter Weimar).....            | 24 |
| 2.1.1.2 | Fragmentehypotese (Erhard Blum).....                             | 28 |
| 2.1.1.3 | Aanvullingshipotese (Reinhard Kratz).....                        | 30 |
| 2.1.1.4 | Nuwe aanvullingshipotese (Eckart Otto).....                      | 34 |
| 2.1.1.5 | Ander benaderings.....   | 38 |
| 2.1.1.6 | Gevolgtrekking.....  | 42 |
| 2.1.2   | <b>Josua as deel van die Deuteronomistiese Geskiedswerk.....</b> | 43 |
| 2.1.2.1 | Martin Noth.....   | 43 |
| 2.1.2.2 | Aanpassings aan Noth se hipotese.....                            | 45 |
| 2.1.2.3 | Doel van die Deuteronomistiese Geskiedswerk.....                 | 48 |
| 2.1.2.4 | Deuteronomistiese Geskiedswerk as gelaagde werk.....             | 49 |
| 2.1.2.5 | Deuteronomistiese Geskiedswerk as redaksionele blokke.....       | 51 |
| 2.1.2.6 | Kombinasie van redaksionele lae en blokke.....                   | 54 |
| 2.1.2.7 | Bestaan van `n Deuteronomistiese Geskiedswerk betwyfel.....      | 56 |
| 2.1.2.8 | Gevolgtrekking.....  | 59 |
| 2.1.3   | <b>Ander literêre invalshoeke.....</b>                           | 61 |
| 2.1.3.1 | Etiologie.....   | 61 |
| 2.1.3.2 | Gevolgtrekking.....  | 63 |



|                |   |            |
|----------------|---|------------|
| <b>2.2</b>     | <b>Historiese benadering.....</b>                                 | <b>64</b>  |
| <b>2.2.1</b>   | <b>Amfiksonie of Twaalstammebond.....</b>                         | <b>64</b>  |
| <b>2.2.1.1</b> | <b>Gevolgtrekking.....</b>  | <b>65</b>  |
| <b>2.2.2</b>   | <b>Landsverowering.....</b>                                       | <b>67</b>  |
| <b>2.2.2.1</b> | <b>Oorlog-teorie.....</b>   | <b>68</b>  |
| <b>2.2.2.2</b> | <b>Infiltrasie-model.....</b>                                     | <b>70</b>  |
| <b>2.2.2.3</b> | <b>Sosiale opstand-model.....</b>                                 | <b>71</b>  |
| <b>2.2.2.4</b> | <b>Oorgang-teorie (laat-Bronstydperk, Vroeë Ystertydperk.....</b> | <b>73</b>  |
| <b>2.2.2.5</b> | <b>Projeksie-teorie.....</b>                                      | <b>75</b>  |
| <b>2.2.2.6</b> | <b>Ander benaderings.....</b>                                     | <b>78</b>  |
| <b>2.2.2.7</b> | <b>Gevolgtrekking.....</b>  | <b>81</b>  |
| <b>2.2.3</b>   | <b>Josua-figuur.....</b>  | <b>82</b>  |
| <b>2.2.3.1</b> | <b>Gevolgtrekking.....</b>  | <b>88</b>  |
| <b>2.2.4</b>   | <b>Heilige oorlog.....</b>  | <b>89</b>  |
| <b>2.2.4.1</b> | <b>Inleiding.....</b>   | <b>89</b>  |
| <b>2.2.4.2</b> | <b>Heilige oorlog in die Kronitiese Geskiedswerk.....</b>         | <b>93</b>  |
| <b>2.2.4.3</b> | <b>Heilige oorlog in die Jehowitiese Geskiedswerk.....</b>        | <b>93</b>  |
| <b>2.2.4.4</b> | <b>Heilige oorlog in die Priesterskrif.....</b>                   | <b>94</b>  |
| <b>2.2.4.5</b> | <b>Heilige oorlog in Deuteronomium.....</b>                       | <b>95</b>  |
| <b>2.2.4.6</b> | <b>Gevolgtrekking.....</b>  | <b>96</b>  |
| <b>2.2.5</b>   | <b>Historiografie en Bybelse geskiedenis .....</b>                | <b>99</b>  |
| <b>2.2.5.1</b> | <b>Opkoms van die minimalisme.....</b>                            | <b>99</b>  |
| <b>2.2.5.2</b> | <b>Filosofie van geskiedenis.....</b>                             | <b>100</b> |
| <b>2.2.5.3</b> | <b>Postmodernisme.....</b>  | <b>101</b> |
| <b>2.2.5.4</b> | <b>Sinchroniese benadering tot die teks.....</b>                  | <b>102</b> |
| <b>2.2.5.5</b> | <b>Definisie van historiografie.....</b>                          | <b>106</b> |
| <b>2.2.5.6</b> | <b>Gevolgtrekking.....</b>  | <b>109</b> |
| <b>2.2.6</b>   | <b>Ná-eksiliese sosiale konteks(te).....</b>                      | <b>110</b> |
| <b>2.2.6.1</b> | <b>Visionêre en hiërokratiese groepe.....</b>                     | <b>110</b> |
| <b>2.2.6.2</b> | <b>Konlik tussen noordelike en suidelike teologie.....</b>        | <b>111</b> |
| <b>2.2.6.3</b> | <b>Politiese groeperinge.....</b>                                 | <b>112</b> |
| <b>2.2.6.4</b> | <b>Sadokitiese priesteramp in die ná-eksiliese tyd</b>            | <b>112</b> |
| <b>2.2.6.4</b> | <b>Josua in die lig van ná-eksiliese gebeure.....</b>             | <b>113</b> |
| <b>2.2.6.5</b> | <b>Ooreenkomste tussen die boeke Josua en Esra.....</b>           | <b>114</b> |
| <b>2.2.6.6</b> | <b>Ooreenkomste tussen die boeke Josua en Nehemia.....</b>        | <b>115</b> |
| <b>2.2.6.7</b> | <b>Gevolgtrekking.....</b>  | <b>117</b> |

### **HOOFSTUK 3: MAKRO KONTEKS EN LITERATUURSOORSIG OOR EKSEGESE**

|                |  |            |
|----------------|--|------------|
| <b>3.1</b>     | <b>Makro konteks.....</b>                      | <b>120</b> |
| <b>3.1.1</b>   | <b>Josua se posisie in die Heksateug.....</b>  | <b>120</b> |
| <b>3.1.1.1</b> | <b>Josua en Genesis.....</b>                   | <b>120</b> |
| <b>3.1.1.2</b> | <b>Josua en Numeri.....</b>                    | <b>120</b> |
| <b>3.1.1.3</b> | <b>Josua en Deuteronomium.....</b>             | <b>121</b> |
| <b>3.1.2</b>   | <b>Josua en Rigters.....</b>                   | <b>123</b> |
| <b>3.1.3</b>   | <b>Gevolgtrekking.....</b>                     | <b>125</b> |
| <b>3.1.4</b>   | <b>Verbande met omringende hoofstukke.....</b> | <b>125</b> |
| <b>3.1.4.1</b> | <b>Josua 2.....</b>                            | <b>126</b> |



|              |  |            |
|--------------|--|------------|
| 3.1.4.1.1    | Verband tussen Josua 2 en ná-eksiliese tekste..... | 129        |
| 3.1.4.1.1.1  | Rut-verhaal.....                                   | 129        |
| 3.1.4.1.1.2  | Jona-verhaal;.....                                 | 129        |
| 3.1.4.1.1.3  | Trito-Jesaja.....                                  | 130        |
| 3.1.4.2      | Josua 5.....                                       | 131        |
| 3.1.4.3      | Josua 6.....                                       | 132        |
| 3.1.5        | Gevolgtrekking.....                                | 133        |
| <b>3.2</b>   | <b>Literatuuoroorsig oor eksegesi.....</b>         | <b>134</b> |
| 3.2.1        | Literêre benadering.....                           | 134        |
| 3.2.1.1      | R. Polzin.....                                     | 134        |
| 3.2.1.1.1    | Inleiding.....                                     | 134        |
| 3.2.1.1.2    | Josua.....   | 135        |
| 3.2.1.1.3    | Ruimtelike komposisie van Josua 3:1-5:1.....       | 138        |
| 3.2.1.1.4    | Psigologiese komposisie van Josua 3:1-5:1.....     | 139        |
| 3.2.1.1.5    | Fraseologiese komposisie van Josua 3:1-5:1.....    | 140        |
| 3.2.1.1.6    | Gevolgtrekking.....                                | 141        |
| 3.2.1.2      | B. Peckham.....                                    | 142        |
| 3.2.1.2.1    | Inleiding.....                                     | 142        |
| 3.2.1.2.2    | Struktuur.....                                     | 142        |
| 3.2.1.2.3    | Tematiese samehange.....                           | 144        |
| 3.2.1.2.4    | Grammatikale verbande.....                         | 145        |
| 3.2.1.2.5    | Gevolgtrekking.....                                | 149        |
| 3.2.1.3      | H.J. Koorevaar.....                                | 149        |
| 3.2.1.3.1    | Inleiding.....                                     | 149        |
| 3.2.1.3.2    | Josua.....   | 150        |
| 3.2.1.3.3    | Gevolgtrekking.....                                | 152        |
| 3.2.1.4      | D.L Hawk.....                                      | 153        |
| 3.2.4.1      | Inleiding.....                                     | 153        |
| 3.2.4.1.2    | Josua.....   | 154        |
| 3.2.1.4.3    | Gevolgtrekking.....                                | 157        |
| <b>3.2.2</b> | <b>Histories-kritiese benadering.....</b>          | <b>157</b> |
| 3.2.2.1      | Twee selfstandige narratiewe .....                 | 158        |
| 3.2.2.1.1    | E. Vogt, J.N.M. Wijngaards en E. Otto.....         | 158        |
| 3.2.2.1.2    | T.C. Butler.....                                   | 159        |
| 3.2.2.2      | Basisdokument met uitbreidings.....                | 160        |
| 3.2.2.2.1    | W. Rudolph.....                                    | 160        |
| 3.2.2.2.2    | M. Noth.....                                       | 161        |
| 3.2.2.2.3    | C.A. Keller.....                                   | 162        |
| 3.2.2.2.4    | J.Dus.....   | 162        |
| 3.2.2.2.5    | J. Maier.....                                      | 163        |
| 3.2.2.2.6    | R. Boling.....                                     | 164        |
| 3.2.2.2.7    | M. Görg.....                                       | 164        |
| 3.2.2.2.8    | V. Fritz.....                                      | 166        |
| 3.2.2.2.9    | K.Bieberstein.....                                 | 167        |
| 3.2.2.2.10   | R.D. Nelson.....                                   | 167        |
| 3.2.2.2.11   | M. Van der Meer.....                               | 168        |
| 3.2.2.2.12   | T.C. Römer.....                                    | 169        |
| 3.2.23       | Gevolgtrekking .....                               | 169        |
| <b>3.2.3</b> | <b>Kulties-historiese benadering.....</b>          | <b>170</b> |
| <b>3.2.4</b> | <b>Gevolgtrekking.....</b>                         | <b>173</b> |

## HOOFSTUK 4: DETAILANALISE JOSUA 3 EN 4

|                 |   |            |
|-----------------|---|------------|
| 4.1             | <b>Inleiding</b> .....  | 176        |
| 4.2             | <b>Perikoopafbakening</b> .....   | 176        |
| 4.3             | <b>Tekskritiek</b> .....  | 176        |
| 4.4             | <b>Komposisie: Josua 3:1-17</b> .....   | 179        |
| 4.5             | <b>Rekonstruksie: Josua 3:1-17</b> .....  | 182        |
| 4.5.1           | Literêre analise (Jos 3:1, 5, 10b-c, 13b-d, 14a, 16a-f).....                      | 182        |
| 4.5.1.1         | Jos 3:1, 5, 10b-c, 13b-d, 14a, 16a-f deel van 'n vóór-deuteronomistiese narratief | 189        |
| 4.5.1.1.1       | Ekskursie: rol van die Jahwis (J) in die Pentateug.....                           | 195        |
| 4.5.1.1.1 (a)   | Inleiding.....  | 195        |
| 4.5.1.1.1 (b)   | Láát datering van die Jahwis.....   | 196        |
| 4.5.1.1.1 (c)   | Gevolgtrekking.....   | 198        |
| 4.5.1.2         | Josua 3:5, 11 en 13b-d deel van die ná-eksiliese konteks                          | 198        |
| 4.5.1.2.1       | Ekskursie: Eksodus 15.....  | 199        |
| 4.5.1.2.1 (a)   | Inleiding.....  | 199        |
| 4.5.1.2.1 (b)   | Grammatikale studies.....   | 199        |
| 4.5.1.2.1 (c)   | Eksodus 15 en die Pentateug.....  | 199        |
| 4.5.1.2.1 (d)   | Vergelykende studies.....   | 199        |
| 4.5.1.2.1 (e)   | Samestelling van die Moseslied.....   | 202        |
| 4.5.1.2.1 (f)   | <i>Genre</i> .....  | 203        |
| 4.5.1.2.1 (g)   | Teks.....   | 203        |
| 4.5.1.2.1 (h)   | Prosaïese raam.....   | 205        |
| 4.5.1.2.1 (i)   | Kultiese formule .....  | 207        |
| 4.5.1.2.1 (j)   | Moseslied (vv4-17).....   | 212        |
| 4.5.1.2.1 (k)   | Gevolgtrekking.....   | 219        |
| 4.5.1.3         | Datering en <i>genre</i> van Josua 3:1, 5, 10b-c, 13b-d, 14a, 16a-f               | 220        |
| 4.5.1.4         | Gevolgtrekking  | 220        |
| 4.5.2           | Literêre analise: Josua 3:2-3   | 221        |
| 4.5.2.1         | Josua 3:2-3 as ampsinstelling (Amtseinführung) formule.....                       | 222        |
| 4.5.2.2         | Josua 3:2-3 as heilige oorlog-motief.....   | 228        |
| 4.5.2.3         | Josua 3:2-3 as Kronistiese uitbreiding.....                                       | 231        |
| 4.5.2.3.1       | Ekskursie: pasga in die Pentateug.....  | 232        |
| 4.5.2.3.1 (a)i  | Pasga in die Priesterksrif (Lev 23:5-8; Num 28:16-25; Eks 12:1-20, 40-50).....    | 232        |
| 4.5.2.3.1 (a)ii | Pasga in Deuteronomium (Deut 16:1-8).....   | 232        |
| 4.5.2.3.1 (b)   | Rol van die ark.....  | 234        |
| 4.5.2.3.1 (c)   | Priesters en Leviëte as draers van die ark.....                                   | 236        |
| 4.5.2.3.1 (d)   | Gevolgtrekking.....   | 237        |
| 4.5.3           | Literêre analise: Jos 3:7-8, 15, 17ab;4:14-18.....                                | 238        |
| 4.5.4           | Literêre analise: Jos 3:6, 10a, 11, 13a, 14b.....                                 | 242        |
| 4.5.5           | Literêre analise: Jos 3:4, 9, 10d, 12, 17c  | 245        |
| <b>4.6</b>      | <b>Gevolgtrekking</b> .....   | <b>247</b> |
| <b>4.7</b>      | <b>Detailanalise: Josua 4:1-5:1</b> .....   | <b>252</b> |
| <b>4.7.1</b>    | <b>Inleiding</b> .....  | <b>252</b> |
| <b>4.7.2</b>    | <b>Verband tussen Josua 3 en 4</b> .....  | <b>252</b> |
| 4.7.2.1         | Josua 4 as selfstandige teks.....   | 252        |



|                           |   |            |
|---------------------------|---|------------|
| 4.7.2.2                   | Josua 4 as voortsetting van Josua 3.....                  | 253        |
| 4.7.2.3                   | Gevolgtrekking.....                                       | 253        |
| <b>4.7.3</b>              | <b>Navorsingsoorsig oor Josua 4.....</b>                  | <b>254</b> |
| 4.7.3.1                   | Rol van die kultus.....                                   | 254        |
| 4.7.3.2                   | Rol en funksie van die “kindervraag”.....                 | 254        |
| <b>4.7.4</b>              | <b>Komposisie van Josua 4:1-5:1.....</b>                  | <b>257</b> |
| 4.7.4.1                   | Perikoopafbakening.....                                   | 262        |
| 4.7.4.2                   | Tekskritiek.....  | 263        |
| <b>4.7.5</b>              | <b>Rekonstruksie: Jos 4:1-5:1</b>                         | <b>263</b> |
| 4.7.5.1                   | Analise: Josua 4:14-18.....                               | 262        |
| 4.7.5.2                   | Analise: Josua 4:1c-9.....                                | 266        |
| 4.7.5.3                   | Analise: Josua 4:19-5:1.....                              | 269        |
| 4.7.5.4                   | Analise: Josua 4:1ab, 10-11c.....                         | 271        |
| <b>4.7.6</b>              | <b>Gevolgtrekking.....</b>                                | <b>271</b> |
| <b>4.7.7</b>              | <b>Gerekonstrueerde teks van Josua 3 en 4.....</b>        | <b>278</b> |
| 4.7.7.1                   | Josua 3 en 4 en die ná-eksiliese konteks.....             | 279        |
| <b>HOOFSTUK 5 SINTESE</b> |   |            |
| <b>5.1</b>                | <b>Aktualiteit.....</b>                                   | <b>283</b> |
| <b>5.2</b>                | <b>Probleemstelling.....</b>                              | <b>285</b> |
| <b>5.3</b>                | <b>Doelwitte.....</b>                                     | <b>286</b> |
| <b>5.4</b>                | <b>Hipotese.....</b>                                      | <b>288</b> |
| <b>5.5</b>                | <b>Resultate.....</b>                                     | <b>288</b> |
| <b>5.6</b>                | <b>Verdere navorsingsvoorstelle .....</b>                 | <b>290</b> |
| <b>SUMMARY.....</b>       |   | <b>292</b> |
| <b>ADDENDA</b>            |   |            |
| <b>Addendum A</b>         | <b>Komposisie: Josua 3:1-17 (Klaus Bieberstein).....</b>  | <b>294</b> |
| <b>Addendum B</b>         | <b>Komposisie: Josua 4:1-5:1 (Klaus Bieberstein).....</b> | <b>297</b> |
| <b>Addendum C</b>         | <b>Etiologiese verwysingspunte in Josua 1-12.....</b>     | <b>303</b> |
| <b>BIBLIOGRAFIE</b>       |   | <b>304</b> |



## AFKORTINGS

|                         |   |
|-------------------------|---|
| <b>A:</b>               | <i>Grundschrift</i> of basisverhaal   |
| <b>AASF:</b>            | Annales Academiae Scientiarum Fennicae  |
| <b>AB:</b>              | Anchor Bible  |
| <b>ABD:</b>             | The Anchor Bible Dictionary   |
| <b>ABG:</b>             | Arbeiten zur Bibel und ihrer Geschichte   |
| <b>ABRL:</b>            | The Anchor Bible Reference Library  |
| <b>AfO:</b>             | Archiv für Orientforschung  |
| <b>ASJL:</b>            | American Journal of Semitic Languages and Literature  |
| <b>ATD:</b>             | Das Alte Testament Deutsch  |
| <b>B:</b>               | Redaksionele snit met spesifieke fokus op die priesters en die ark                                |
| <b>BA:</b>              | Biblical Archaeologist  |
| <b>BASOR:</b>           | Bulletin of American School for Oriental Research   |
| <b>BBB:</b>             | Bonner biblische Beiträge   |
| <b>BEATAJ:</b>          | Beiträge zur Erforschung des Alten Testaments und des antiken Judentums                           |
| <b>BETL:</b>            | Bibliotheca Emperidum Theologicarum Lovaniensium  |
| <b>BIB:</b>             | Biblica   |
| <b>BKAT:</b>            | Biblischer Kommentar zum Alten Testament  |
| <b>BN:</b>              | Biblische Notizen   |
| <b>BWANT:</b>           | Beiträge zur Wissenschaft vom Alten und Neuen Testament   |
| <b>BZ:</b>              | Biblische Zeitschrift   |
| <b>BZAW:</b>            | Beiheft zur Zeitschrift für die alttestamentliche Wissenschaft                                    |
| <b>C<sup>1</sup>:</b>   | Redaksionele snit wat op die Ragab-verhaal fokus  |
| <b>C<sup>2</sup>:</b>   | Redaksionele snit wat op die 12 klippe fokus  |
| <b>CahRB:</b>           | Cahiers de la Revue Biblique  |
| <b>CB.OTS:</b>          | Coniectanea Biblica . Old Testament Series  |
| <b>CBQ:</b>             | Catholic Biblical Quarterly   |
| <b>CIS:</b>             | Corpus Inscriptionum semiticarum  |
| <b>Deut:</b>            | Deuteronomium   |
| <b>DG:</b>              | Deuteronomistiese Geskiedswerk  |
| <b>DJD:</b>             | Discoveries in the Judean Desert  |
| <b>Dtr:</b>             | Deuteronomistiese uitbreiding   |
| <b>Dtr<sup>1</sup>:</b> | Eerste (vóór-eksiliese) deuteronomistiese uitbreiding   |
| <b>Dtr<sup>2</sup>:</b> | Tweede (eksiliese) deuteronomistiese redaksie   |
| <b>DtrA:</b>            | DtrAmpseinführung. Deuteronomistiese redaksie met die klem op Ampsoorhandiging van Moses na Josua |
| <b>DtrD:</b>            | Derde oorsprongsmite van Israel (Deut 1:45-28:68)   |
| <b>DtrH:</b>            | Historiografiese snit onderliggend aan die Deuteronomistiese Geskiedswerk                         |
| <b>DtrL:</b>            | Deuteronomistiese landsveroweringverhaal  |
| <b>DtrN:</b>            | Deuteronomistiese snit met die klem op die Wet  |
| <b>DtrO:</b>            | Deuteronomistiese uitbreiding met spesifieke klem op die heilige oorlog-motief                    |
| <b>DtrP:</b>            | Profetiese snit wat deel uitmaak van die Deuteronomistiese Geskiedswerk                           |
| <b>DtrR:</b>            | DtrReuben. Deuteronomistiese redaksie met die klem op die Oos-jordaanland-stamme                  |
| <b>E:</b>               | Elohis  |
| <b>EdF:</b>             | Erträge der Forschung   |
| <b>EHS.T</b>            | Europäische Hochschulschriften. Ser 23: Theology  |



|                        |   |
|------------------------|---|
| <b>Eks:</b>            | Eksodus   |
| <b>EvT:</b>            | Evangelische Theologie  |
| <b>FOTL:</b>           | Forms of Old Testament Literature                                     |
| <b>FRLANT:</b>         | Forschungen zur Religion und Literatur des Alten und Neuen Testaments |
| <b>FzB:</b>            | Forschung zur Bibel   |
| <b>Gen:</b>            | Genesis   |
| <b>HAT:</b>            | Handbuch zum Alten Testament  |
| <b>HKAT:</b>           | Göttinger Handkommentar zum Alten Testament                           |
| <b>HSM:</b>            | Harvard Semitic Monographs  |
| <b>HThK:</b>           | Herder Theologischer Kommentar zum Alten Testament                    |
| <b>HTS:</b>            | Hervormde Teologiese Studies  |
| <b>HUCA:</b>           | Hebrew Union College Annual   |
| <b>IEJ:</b>            | Israel Exploration Journal  |
| <b>ITC:</b>            | International Theological Commentary                                  |
| <b>J:</b>              | Jahwis  |
| <b>JBL:</b>            | Journal of Biblical Literature  |
| <b>JG:</b>             | Jerusalemse Geskiedswerk  |
| <b>Jos:</b>            | Josua   |
| <b>JNES:</b>           | Journal of Near Eastern Studies                                       |
| <b>JNSL:</b>           | Journal of North Semetic Languages                                    |
| <b>JSOT:</b>           | Journal for the Study of the Old Testament                            |
| <b>JSOTSup:</b>        | Journal for the Study of the Old Testament Supplement Series          |
| <b>JSS:</b>            | Journal of Semitical Studies  |
| <b>Kon:</b>            | Konings   |
| <b>Kron:</b>           | Kronieke  |
| <b>Lev:</b>            | Levitikus   |
| <b>LXX:</b>            | Septuagint  |
| <b>MT:</b>             | Masoreteteks  |
| <b>NCB:</b>            | New Century Bible   |
| <b>NEB:</b>            | Neue Echter Bibel   |
| <b>NGKB:</b>           | NG Kerk boekhandel  |
| <b>NGTT:</b>           | Nederduits-Gereformeerde Teologiese Tydskrif                          |
| <b>Num:</b>            | Numeri  |
| <b>OBO:</b>            | Orbis Biblicus et Orientalis  |
| <b>OLA:</b>            | Orientalia Lovaniensia Analecta                                       |
| <b>OTE:</b>            | Old Testament Essays  |
| <b>OTL:</b>            | Old Testament Library   |
| <b>OTS:</b>            | Oudtestamentischen Studiën  |
| <b>P:</b>              | Priesterskrif   |
| <b>P<sup>g</sup>:</b>  | Basisteks van die Priesterskrif                                       |
| <b>P<sup>s</sup>:</b>  | Byvoegings tot die Priesterskrif (P <sup>s</sup> )                    |
| <b>P<sup>ss</sup>:</b> | Sekondêre byvoegings tot die Priesterskrif                            |
| <b>Ps:</b>             | Psalms  |
| <b>QD:</b>             | Quaestiones Duspitatae  |
| <b>R<sup>a</sup>:</b>  | Etiologiese redaksie  |
| <b>RB:</b>             | Revue Biblique  |
| <b>Rchr:</b>           | Kronistiese redaksie  |
| <b>Rig:</b>            | Rigters   |
| <b>Rp:</b>             | Ná-priesterlike redaksie  |





|                 |   |
|-----------------|---|
| <b>SBAB:</b>    | Stuttgarter biblische Aufsatzbände                              |
| <b>SBL:</b>     | Society of Biblical Literature                                  |
| <b>SBLABS:</b>  | Society of Biblical Literature Archaeology and Biblical Studies |
| <b>SBL-SCS:</b> | Society of Biblical Literature Septuagint and Cognate Studies   |
| <b>SBT:</b>     | Studies of Biblical Literature                                  |
| <b>SBS:</b>     | Stuttgarter Bibel-Studien                                       |
| <b>SH:</b>      | Scripta Hierosolymitana   |
| <b>SJOT:</b>    | Scandinavian Journal of the Old Testament                       |
| <b>STDJ:</b>    | Studies on the Texts of the Desert of Judah                     |
| <b>TA:</b>      | Tel Aviv  |
| <b>TB:</b>      | Theologische Bücherei   |
| <b>ThR:</b>     | Theologische Rundschau  |
| <b>Üs:</b>      | Überlieferungsgeschichtliche Studien                            |
| <b>UUA:</b>     | Uppsala universitets arsskrift                                  |
| <b>VT:</b>      | Vetus Testamentum   |
| <b>VTSup:</b>   | Vetus Testamentum Supplements                                   |
| <b>WMANT:</b>   | Wissenschaftliche Monographien zum Alten und Neuen Testament    |
| <b>WTJ:</b>     | Westminster Theological Journal                                 |
| <b>Z:</b>       | Kleiner redaksionele byvoegings                                 |
| <b>ZAW:</b>     | Zeitschrift für die alttestamentliche Wissenschaft              |
| <b>ZTK:</b>     | Zeitschrift für Theologie und Kirche                            |

## BEDANKINGS

Ek wil graag die volgende persone en instansies bedank vir die besondere bydrae tot die voltooiing van my studie:

- My promotor, professor Dirk Human het ure aan my proefskrif spandeer. Ek waardeer sy opregte belangstelling en die noukeurigheid waarmee hy my begelei het. Sy hulp, ondersteuning, raad en geduld was is 'n bron van inspirasie;
- My mede-promotor, doktor Aphonso Groenewald se insette word opreg waardeer. Hy het baie tyd en moeite aan my proefskrif spandeer.
- Danksy 'n beurs van die Universiteit van Pretoria was ek bevoorreg om tydens 2009 'n reis na Nederland te onderneem om invloedryke Ou-Testamentici te besoek. Uit die aard van die saak het hierdie besoek bygedra 'n verryking van my studie. Ek is dank verskuldig aan die Universiteit vir die beurs. Ek is dankbaar vir die volgende persone se insette tydens my besoek aan Nederland en België:
  - Professor Bob Becking van die Universiteit van Utrecht. Sy besondere oog vir detail en sy kritiese opmerking het diepte aan my studie verleen;
  - Professor Hans Ausloos van die Katolieke Universiteit Leuven het my die geleentheid gegun om met sy studente oor my studie te gesels. Sy insette in hierdie studie word hoog op prys gestel;
  - Professor Ed Noort van die Rijksuniversiteit van Groningen het my entosiasies ontvang en van sy besondere kennis oor die boek Josua gedeel. Ek bedank hom vir sy waardevolle opmerkings en leiding;
  - Professor Eric Peels van die Teologiese Universiteit in Apeldoorn het my hartlik verwelkom en my die geleentheid geggee om aan sy nagraadse besprekingsgroep deel te neem. Ek bedank hom vir die besondere verrykende geleentheid



- NG Gemeente Florandia het my in `n besondere wyse ondersteun in my studie. Ek is dankbaar vir die geduld wat hulle aan my betoon het tydens my studie;
- My familie het besondere belangstelling getoon in my studie en my op alle tererine ondersteun. Ek is julle ewig dankbaar;
- Melanie het hierdie studie in alle opsigte moontlik gemaak. Ek dra hierdie studie aan jou op.



**MELANIE**